

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य जांच कैंप 21 से 26 तक पांच स्थानों पर लगेंगे
करनाल। पुलिस अधीक्षक करनाल करन गोयल, आईपीएस के मार्गदर्शन में पुलिसकर्मियों, उनके परिजनों और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जिले में विभिन्न स्थानों पर मेडिकल कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में सरकारी अस्पताल करनाल से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम पहुंचकर स्वास्थ्य की जांच करेंगी। आवश्यक परीक्षण के साथ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया जाएगा। मेडिकल कैंप 21 सितंबर को सुबह 9:30 बजे पुलिस लाइन करनाल तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव चिराओ में आयोजित होगा।

यूपीआई भुगतान ग्राहकों के लिए रहेगा निःशुल्क

करनाल। यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले ग्राहकों के लिए भुगतान निःशुल्क रहेगा। परिवार और दोस्तों को यूपीआई से पैसे भेजने के साथ दुकानों, स्थानीय बाजारों और रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान करने पर ग्राहकों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। दुकानदारों द्वारा कार्ड या डिजिटल भुगतान स्वीकार करने पर दी जाने वाली फीस यानी एमडीआर को चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर लागू किया गया है। हालांकि इसका खर्च ग्राहकों से नहीं लिया जा सकेगा। ग्राहक स्टोर, स्थानीय बाजार या क्यूआर कोड के माध्यम से खरीदारी करते समय पहले की तरह निःशुल्क भुगतान कर सकेंगे।

जाट महासभा चुनाव को लेकर उठे सवाल, 20 सितंबर की महापंचायत में होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►► करनाल

जाट महासभा के आगामी चुनाव को लेकर शनिवार को करनाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह लाउठर की ओर से चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए। वक्ताओं ने कोलोजियम गठन की प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई। 20 सितंबर को जाट धर्मशाला में होने वाली महापंचायत में सभा के गठन, सदस्यों, मतदाताओं और कोलोजियम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने की बात कही गई। वक्ताओं ने कहा कि 20 सितंबर की महापंचायत में यह मुद्दा उठाया जाएगा कि जाट सभा का गठन कब हुआ था और उस समय कौन-कौन सदस्य थे। इसके अलावा कौन लोग मतदाता होने चाहिए तथा कोलोजियम किस व्यवस्था के तहत

नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ें युवा : तरुणा भंडारी

करनाल। मेरठ रोड स्थित राणा ब्रदर्स क्रिकेट अकादमी में शनिवार को नमो क्रिकेट लीग की शुरुआत हुई। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए हरियाणा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं चेयरमैन मोहनलाल बडोली, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के राजनीतिक सचिव तरुणा भंडारी, महापौर रेणु बाला गुप्ता, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष सोहन सिंह राणा, जिला पार्षद गुरदीप बीजना, जिला पार्षद सुरेंद्र कांबोज पहुंचे। मुकाबलों में करनाल रॉकस्टार, रीडल स्टार, जेपी-11, करनाल स्पार्टन, रामपुरा, सांभली, दनियावाल्त, पड़वाला टाइगर और यतवतखाना वॉरियर्स ने अपने-अपने मैच जीते।



पोस्टर मेकिंग और भाषण में छाए विद्यार्थी

तरावड़ी। गौरी मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल तरावड़ी में मेरे सपनों का भारत (सेवा संकल्प अभियान) के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पांचवीं से कक्षा दसवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को संदेश आकर्षक, डिजिटल इंडिया, हरित भारत, नशा मुक्त भारत, और विकसित भारत जैसे विषयों पर अपनी कल्पना को प्रकृतिक रंगों का प्रयोग करते हुए चित्रों में उतारा। बच्चों ने मेरे सपनों का भारत 2047, महिला सुरक्षा और सम्मान वाला भारत, आत्मनिर्भर भारत मेरा सपना, नशा मुक्त भारत, भारतीय संस्कृति और संस्कारों वाला भारत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने केवल अपनी बात कोशल एवं अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया बल्कि यह भी संदेश दिया कि आज के बच्चे ही कल के भारत की दिशा निर्धारित करेंगे कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती रागिनी राय ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा - बच्चों के चित्रों में हमने नए भारत की झलक देखी।

डीएवी महिला कॉलेज में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाया हुनर
पहले दिन भाषण, कविता पाठ और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं की धूम



करनाल। कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के दौरान प्रस्तुति देती छात्राएं।
फोटो: हरिभूमि

प्रतियोगिताओं की विजेता टीमें
प्रश्नोत्तरी में मुस्कान, जैशफिशा खान एवं अर्चिता जैन की टीम प्रथम, रश्मि, पलक एवं प्राची की टीम द्वितीय तथा काजल, जैशिका एवं शिमोनी की टीम तृतीय रही। गीत-गजल में गुरनूर कौर प्रथम, कोमल रानी द्वितीय और संतोष तृतीय रहें। लोकगीत में कोमल रानी प्रथम, गुरनूर कौर द्वितीय और शिवानी तृतीय रहें। वाद्य यंत्र में कोमल रानी प्रथम और गुरनूर कौर द्वितीय रहें। रंगोली में नवप्रीत प्रथम, कशिश द्वितीय और हंसिका तृतीय रहें। मेहंदी में नेहा प्रथम, करिश्मा द्वितीय, सुहानी तृतीय तथा नितिका को सांत्वना पुरस्कार मिला। पेंटिंग में अनवी प्रथम, सुनिधि द्वितीय, निमरत तृतीय तथा सलोनी को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्टून बनाओ में कल्पना प्रथम, अदिति द्वितीय, मीनल तृतीय तथा मनप्रीत को सांत्वना पुरस्कार मिला।

मंडल के सदस्यों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। पहले दिन भाषण, कविता पाठ, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, ललित कला एवं संगीत कला की प्रतियोगिताएं हुईं। दूसरे दिन एकल एवं समूह नृत्य तथा 'मिस के.वी.ए. डीएवी फ़ेसर' प्रतियोगिता आयोजित हुईं। भाषण में अकालजोत प्रथम, प्राची द्वितीय, शांभवी तृतीय तथा श्रेया शर्मा को सांत्वना पुरस्कार मिला। कविता

पाठ में ललित प्रथम रहें। वाद-विवाद में प्राची शर्मा प्रथम, चिंकी द्वितीय और अर्चिता जैन तृतीय रहें। समूह नृत्य में पलक समूह प्रथम, गिद्धा समूह द्वितीय तथा रीनक एवं योगिता समूह तृतीय रहे। एकल नृत्य में मुस्कान प्रथम, अंशिका द्वितीय, स्नेहा तृतीय तथा जसमीत एवं अनुष्का को सांत्वना पुरस्कार मिला। 'मिस के.वी.ए. डीएवी फ़ेसर' का खिताब आयुषी

प्रतिभा खोज कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य गायन और अभिनय में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज़ ►► करनाल

पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय, करनाल में विद्यार्थियों की प्रतिभा पहचानने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का समापन हुआ। 18 एवं 19 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, वाद्य गायन, भाषण, काव्य-पाठ, मिमिक्री, मोनो एक्टिंग, पेंटिंग एवं प्रश्नोत्तरी में प्रतिभा दिखाई।

मुख्य अतिथि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल मीनाक्षी यादव रही। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं मिमिक्री कलाकार कुलदीप कुमार रहे। प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने अतिथियों का स्वागत किया। मीनाक्षी यादव ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष



करनाल। पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में प्रतिभा खोज कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी और प्रस्तुति देती छात्रा।

प्रतिभा होती है और ऐसे आयोजन उसे पहचानने एवं मंच देने में सहायक हैं। प्राचार्या डॉ. रेखा त्यागी ने कहा कि कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर देता है। उपप्राचार्य अनिल गर्ग ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कुलदीप कुमार ने मिमिक्री प्रस्तुति दी। संकल्प सेवा चेतना की ओर से लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ.



स्नेह यादव और सह-संयोजक डॉ. नवीन कुमार की देखरेख में आयोजन संपन्न हुआ। नृत्य प्रतियोगिता में तनु प्रथम, सुनीति द्वितीय और मोहित तृतीय रहे। गायन में लीना प्रथम, सोनिया द्वितीय और चेतना तृतीय रहें। वाद्य गायन में मेहर सिंह प्रथम, पार्थ द्वितीय और अमन तृतीय रहे। भाषण में ग्रेविन प्रथम, शुभम द्वितीय और पुनीति तृतीय रहें। काव्य-पाठ में सुनिधि प्रथम, स्नेहा

द्वितीय और शुभम तृतीय रहे। मिमिक्री में राधिका प्रथम, सुनीति द्वितीय और जश्नप्रीत तृतीय रहे। मोनो एक्टिंग में पुनीति प्रथम, वंदना द्वितीय और सुशील कुमार तृतीय रहे। पेंटिंग में सुमित प्रथम, रुबा खान द्वितीय और गौरव तृतीय रहे। प्रश्नोत्तरी में हरीश, कर्ण और हर्ष की टीम प्रथम, शुभम, प्रिंस और मनदीप भौरिया की टीम द्वितीय तथा अतुल, गौरव और गौरव की टीम तृतीय रही।



श्री जाहरवीर गोगा जी की निकाली शोभायात्रा

घरौंडा। श्री जाहरवीर गोगा जी के बसरे पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को घरौंडा शहर में भव्य धार्मिक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने जाहरवीर गोगा जी के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण की पुत्री ऐशना कल्याण में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शोभायात्रा का शुभारंभ शहर के नगर खेड़े से हुआ। इसके बाद शोभायात्रा रेलवे रोड, मंडी मर्वा राम और मुख्य बाजार से होती हुई वापस नगर खेड़े पहुंची। शोभायात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर शहरवासियों और धार्मिक संगठनों की ओर से शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण की सुपुत्री ऐशना कल्याण ने श्री जाहरवीर गोगा जी की छड़ी को नग्न किया।

13 से 15 नवंबर तक होगा कर्ण उत्सव, संस्कृति और इतिहास के रंगों में सजेगा करनाल

■ स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मंच, कर्ण और करनाल के इतिहास पर प्रकाशित होगी सचित्र पुस्तक

हरिभूमि न्यूज़ ►► करनाल

दानवीर कर्ण की ऐतिहासिक विरासत से जुड़ी नगरी करनाल में इस वर्ष पहली बार कर्ण उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा) एवं द इवेंटर्ज की ओर से 13 से 15 नवंबर



करनाल। कर्ण उत्सव को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते आयोजन समिति एवं सहभागी संस्थाओं के प्रतिनिधि।
फोटो: हरिभूमि

तक आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव को करनाल जिला प्रशासन, करनाल पुलिस, नगर निगम एवं जिला परिषद का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलेगा। आयोजन

मंडल ने विधायक जगमोहन आनंद, उपायुक्त आनंद कुमार शर्मा, महापौर रेणु बाला गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कर्ण गोयल, नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा तथा

जिला परिषद चेयरपर्सन गीता रानी से मुलाकात कर महोत्सव की जानकारी साझा की। सभी ने आयोजन का स्वागत करते हुए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। महोत्सव में हरियाणा चैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सिटीजन प्रोवेंसज कमिटी, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन करनाल चैप्टर, ब्रह्माकुमारी सेक्टर-7 केंद्र, वॉइस ऑफ इंडिया, जिला बार संघ, करनाल व्यापार मंडल, हरियाणा व्यापार मंडल करनाल यूनिट तथा सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स सहभागी संस्थाओं के रूप में जुड़ेंगे।



न्यूज डायरी

नारा लेखन में श्वेता प्रथम, काजल को दूसरा स्थान
करनाल। राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल में प्राचार्य डॉ. विवेक रंगा के दिशा-निर्देशन में 14 से 28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा उत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत 19 सितंबर को नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने मारुभाषा हिंदी, देशभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम सहित विभिन्न विषयों पर नारे लिखे। प्राचार्य डॉ. विवेक रंगा ने कहा कि नारों ने लोगों को एकजुट करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि नारा लेखन विचारों को प्रभावी शब्दों में व्यक्त करने और लोगों को प्रेरित करने की कला है। प्रतियोगिता में श्वेता ने प्रथम, काजल ने द्वितीय और सुश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉ. निशा खन्ना, डॉ. अल्पना और डॉ. निहारिका ने निर्णायक की भूमिका निभाई।



एनएसएस से विद्यार्थियों में आता है सेवा का भाव

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों से परिचित करवाने के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने किया। चौधरी राखीर सिंह विश्वविद्यालय, जौड़ के कुलपति एवं कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में पहुंचने पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम वर्मा एवं अन्य शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, सेवा, सहयोग, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।



ओडीएफ प्लस मॉडल गांवों के लिए दिया प्रशिक्षण

नीलोखेड़ी। स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्रामीण परिवेश के निर्माण के लिए गांवों में स्वच्छता, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। यह बात हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने ओडीएफ प्लस मॉडल गांव पंचायतों के सत्यापन को लेकर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। डॉ. चौहान ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग, हरियाणा द्वारा मुख्यमंत्री के निदेशानुसार प्रदेश को 2 अक्टूबर 2026 को ओडीएफ प्लस मॉडल घोषित करने की दिशा में गांवों का सत्यापन करایा जाना है। यह कार्य हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान, नीलोखेड़ी के संसाधन व्यक्तियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।



मेरे सपने का भारत विषय पर हुआ कार्यक्रम

तरावड़ी। एस.एस.एस. स्कूल, में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पना शक्ति एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चरे सपनों का भारत विषय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने विचारों, भाषणों, चित्रों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से उस भारत की कल्पना प्रस्तुत की, जिसे वे अविष्य में देखना चाहते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने ऐसे भारत की परिकल्पना व्यक्त की, जहाँ प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का समान अवसर मिले, बेटीयों आत्मनिर्भर हों, किसान एवं श्रमिकों को सम्मान मिले तथा विज्ञान और तकनीक के साथ मानवीय मूल्यों को भी महत्व दिया जाए।



संवाद से मजबूत होगी सामाजिक समरसता : बेदी

करनाल। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में वाल्मीकि परिवारों के साथ आयोजित 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम में सहभागिता की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, समाज के उथाल और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर संवाद किया गया। वाल्मीकि समाज के परिवारजनों ने भी अपनी भावनाएं, सुझाव और विचार साझा किए। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने तथा आपसी संवाद और सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि समाज की मजबूती आपसी विश्वास, सम्मान और सहभागिता से बनती है। विकास की प्रक्रिया में प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि 'चाय पर चर्चा' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लोगों से सीधे संवाद का अवसर मिलता है। इससे उनकी अपेक्षाओं, सुझावों और आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलती है। जनप्रतिनिधियों और समाज के बीच संवाद मजबूत होने से जनकल्याण के प्रयासों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सकता है। समाज के रंगे के लिए जताया आभार



गणेशोत्सव माता-पिता की सेवा के संकल्प का उत्सव

तरावड़ी, नीलोखेड़ी। भाजपा नेता एवं मार्केट कमिटी के चेयरमैन शिव नाथ कपूर ने गणेशोत्सव के एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि भगवान गणेश महोत्सव का आयोजन विशिष्ट ही एक धार्मिक आयोजन तो है ही लेकिन इसकी सार्थकता तभी है जब हम भगवान गणेश के जीवन चरित्र से सीख लेकर उसे अपने जीवन के आवरण में भी ला सकें तो हमारे जीवन के लिए भी उत्सव भी साथै सार्थक हो जाएगा। भगवान परशुराम धर्मशाला में सिद्धीविनायक सेवा मंडल द्वारा आयोजित एवं गणेशोत्सव समारोह में बनर मुख् अतिथि बोलते हुए शिव नाथ कपूर ने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि नशे की लत से दूर रहकर धर्म क्षेत्र एवं समाज हित में सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करें। शिव नाथ कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान गणेश ने अपने माता पिता शंकर एवं माता पार्वती की परिक्रमा करके प्रथम पूजा होने का वरदान पा गया,यदि हम यही संदेश अपने जीवन में धारण कर लें कि माता-पिता की सेवा ही भगवान की अराधना है तो निश्चित ही उनके आशीर्वाद से जीवन में कोई भी बाधा व्यक्ति को प्रगति में बाधा नहीं बन सकती। सहनशीलता,अहंकारमुक्त जीवन जीने का संकल्प भी हम गणेश जी के जीवन से हम अपने जीवन में धारण कर लें तो जीवन उत्कृष्ट बना सकने में सक्षम हो सकते हैं।

साइबर ठगी के आरोप

में केस दर्ज

पानीपत। पानीपत के गांव बिहौली निवासी शुभम ने अपने मित्र मोहित कुमार निवासी कच्चा फाटक, पानीपत के बैंक खाते का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम घुमाने (मनी म्यूल) में किया है। वहीं, बैंक खाता ब्लॉक होने और ठगी का पता चलने पर मोहित ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को लिखित शिकायत देकर शुभम के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की है। इधर, साइबर थाना पुलिस ने मोहित की शिकायत पर शुभम के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानीपत में निःशुल्क ओपीडी शुरू

पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर 23 के टीडीआई में स्थित महंत हेमंत दास डायलिसिस सेंटर में सिनस अस्यताल के डा.मुदासीर हबीब की निःशुल्क ओपीडी शुरू हुई। ओपीडी प्रत्येक वीरवार दोपहर तीन से पांच बजे चलेगी। संस्था ने डा.मुदासीर हबीब व कपिल नारंग को बुके और गुरु महाराज जी का प्रसाद देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अमित तनेजा, सोमनाथ आहुजा, जय दयाल तनेजा, राहुल तनेजा, सुभाष छाबडा, डा. पारस सहवाल और मयंक तनेजा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चित्रों में दिखाया सपनों का भारत

समालखा। हरियाणा सरकार के सेवा संकल्प अभियान के तहत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण पर विचार रखे। चित्र सेवा, मेरे सपनों का भारत विषय पर विद्यार्थियों ने स्वच्छ-हरित पर्यावरण, तकनीकी विकास, सामाजिक समरसता व विकसित भारत की कल्पना चित्रों में उकेरी। इस अवसर पर राधेश्याम जांगड़ा, विशाल जांगड़ा, रवि शास्त्री, जितेन्द्र उत्तम, पवन गुलिया, मौनू, रजनी, सोनिया, सुषमा त्यागी, सरोज, मनीषा, अनु, नीरू आदि उपस्थित रहे।

रामायण कथा का शुभारंभ किया

पानीपत। आर्य समाज गुरु विरजानंद भवन खेल बाजार में संगीतमय रामायण कथा का शुभारंभ श्रेष्ठ कर्म यज्ञ से आचार्य बृज किशोर शास्त्री ने कराया। ध्वजारोहण मार्गदर्शक हरचरण दास अरोड़ा ने किया। कल्याणी आर्य ने राम भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। जबकि आचार्य राजकुमार शास्त्री ने रामायणकालीन प्रसंगों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राजेश आहुजा, आर्य रणदीप कादियान, चंद्र सहगल, नरेश वर्मा, महेंद्र करवाल, महेश भेरजा, यश हुड्ड्या, डॉ.मनदीप व डॉ.अजय सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अभय चौटाला 20 को गांव कवी में

इसराना। इनेलो के राष्ट्रीयस अध्यक्ष अभय चौटाला 20 सितंबर को शाम को गांव कवी पहुंचकर ग्रामीणों को 27 सितंबर को नूंह में होने वाले जननायक चौधरी देवीलाल सम्मान दिवस में शामिल होने का निमंत्रण देंगे। वहीं, अभय चौटाला के शिक्षा मंत्री महोदय पांडा को लेकर दिए गए बयान पर हुए विवाद के बीच उनका कवी गांव दौरा राजनीतिक चर्चा का विषय बना हुआ है। स्मरणीय है कि गांव कवी मंत्री पांडा का पैतृक गांव है।

बीईओ ऑफिस में आधार कैप लगाया

पानीपत। बच्चों के आधार नामांकन और आधार से जुड़े अन्य कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से शनिवार को बीईओ कार्यालय, पानीपत में विशेष आधार शिविर लगाया गया। अतिरिक्त उपायुक्त अंकित कुमार चौकसे के आदेशानुसार आयोजित शिविर में करीब 200 बच्चों ने भाग लिया। शिविर में बच्चों के आधार नामांकन सहित आधार से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकरण और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। शिविर में खास तौर पर पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंचे। इस दौरान आधार नामांकन तथा इस संबंध में उपलब्ध सरकारी पहलों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पानीपत थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष विद्याथियों को थैलेसीमिया के कारणों, इसके प्रकारों, जांच, रोकथाम तथा इस संबंध में उपलब्ध सरकारी पहलों के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को थैलेसीमिया के कारणों, इसके प्रकारों, जांच, रोकथाम तथा इस संबंध में उपलब्ध सरकारी पहलों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पानीपत थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के

सभी कर्मचारी 22 सितंबर को कार्यभार मुक्त किए जाएंगे

पानीपत में अपनी मूल ड्यूटी पर लौटेंगे सभी बीएलओ

यदि किसी कर्मचारी का कार्य निर्धारित समय सीमा तक अधूरा रहता है, तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की व्यक्तिगत होगी

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

पानीपत में मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान यानी स्पेशल ईर्टसिव रिवीजन (एसआईआर) के कार्यों को समय पर पूरा कराने और चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों की अपने मूल विभागों में वापसी को लेकर पानीपत शहर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त अंकित ने जिले के सभी विभागाध्यक्षों व कार्यालयाध्यक्षों को इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किए



हैं। जारी आदेशों के अनुसार, बीएलओ, सुपरवाइजर और एईआरओ के सहायक के रूप में नियुक्त सभी कर्मचारियों को 22 सितंबर को कार्यभार मुक्त कर दिया जाएगा। वहीं, 22 सितंबर को निर्धारित कार्य पूर्ण होने के उपरांत प्रत्येक कर्मचारी को अपनी कर्मचारीवार कार्य-

हुडा सेक्टर छह में सीवर के दूषित पानी का प्रकोप



पानीपत। पानीपत के हुडा सेक्टर छह में ईपीएफओ कार्यालय और मकान नंबर 731 के सामने सीवर ओवरफ्लो होने से दूषित पानी खाली जगह में जमा है। करीब दो माह से बनी समस्या के कारण मच्छरों की भरमार और बीमारी फैलने का अंदेशा है। वहीं, समाजसेवी सुरेंद्र सांगवान ने बताया कि वे कनिष्ठ अभियंता से अधीक्षक अभियंता व एचएसवीपी संपदा अधिकारी तक कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन समाधान नहीं हुआ। उनका आरोप है कि हाल में ठेकेदार ने खानापूर्ति की। जिससे रिसाव और बढ़ गया। नगरिकों ने दो-तीन दिन में समाधान न होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को शिकायत देने की बात कही है।

कांग्रेस में महिलाओं की भागेदारी बढ़ रही : कांता

पानीपत। कांग्रेस पानीपत ग्रामीण के कार्यालय में हरियाणा महिला कांग्रेस के संगठन सुजन अभियान के तहत बैठक हुई। बैठक में पानीपत की जिला पर्यवेक्षक एवं दिल्ली महिला कांग्रेस की बदरपुर जिला अध्यक्ष कांता शर्मा ने शिरकत करते हुए कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की कांग्रेस संगठन में सक्रिय भागीदारी बढ़ाना, जमीनी स्तर पर महिला नेतृत्व को मजबूत करना तथा जिला एवं बुध स्तर तक एक मजबूत महिला संगठन का निर्माण करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि जो महिलाएं कांग्रेस संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने में रुचि रखती हैं, वे आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं और संगठन को मजबूत बनाने में योगदान दें। इधर, कांग्रेस पानीपत ग्रामीण रमेश मलिक ने कहा कि महिला शक्ति कांग्रेस संगठन की महत्वपूर्ण ताकत है और अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़कर उन्हें सक्रिय जिम्मेदारियां दी जाएंगी। इस अवसर पर कांग्रेसी नेत्री सुरभि शर्मा, शशी लथूरा, लक्ष्मी, उषा चौहान, राखी, शीला शर्मा, सीमा पृथ्वी, कचन, संतोष रावत, सविन कुंडू, कवच सिंह छोक्कर आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।



पानीपत। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण रमेश मलिक अतिथियों को बूल भेंट करते हुए।

एयरटेल के प्रबंधक को कोर्ट का नोटिस

पानीपत। पानीपत न्यायिक परिसर में स्थित स्थाई लोक अदालत ने एक मामले में सुनवाई के दौरान गैर-हाजिर रहने पर भारतीय एयरटेल लिमिटेड (पानीपत) के बांबू मैनेजर को सख्त लहजे में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने प्रतिवादी (एयरटेल) को वेतावनी दी है कि यदि वे अगली सुनवाई पर अनुपस्थित रहने का वाजिब कारण पेश नहीं करते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं, बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सुरेंद्र दूहन ब्रनाम भारती एयरटेल लिमिटेड के मामले में स्थाई लोक अदालत द्वारा पूर्व में समन जारी कर एयरटेल प्रबंधन को तैर अगस्त की सुनवाई दस बजे पेश होने के निर्देश दिए गए थे। यह उपस्थिति मामले के सौहार्दपूर्ण समाधान व सुलह की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से मांगी गई थी। इधर, लोक अदालत ने ऑर्डर 16, रूल 12 सीपीसी के तहत यह कोर्ट नोटिस जारी किया है।

थैलेसीमिया के प्रति समाज में व्यापक जागरूकता जरूरी : डॉ. गुप्ता

समय पर जांच व जागरूकता से थैलेसीमिया की रोकथाम संभव

थैलेसीमिया मेजर एवं थैलेसीमिया माइनर के बीच अंतर समझाया

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पानीपत थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से “थैलेसीमिया जागरूकता” विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को थैलेसीमिया के कारणों, इसके प्रकारों, जांच, रोकथाम तथा इस संबंध में उपलब्ध सरकारी पहलों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पानीपत थैलेसीमिया वेलफेयर सोसायटी के



पानीपत। आर्य कॉलेज के स्वयं सेवी विद्यार्थी, अतिथियों के साथ।

अध्यक्ष विक्रान्त महाजन, पायल, धर्मेंद्र वर्मा, सोमनाथ वर्मा, साहिल नारंग, गरिमा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जगदीश गुप्ता ने अतिथियों का

स्वागत किया तथा इस महत्वपूर्ण एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े विषय पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विजय सिंह एवं डॉ. सोनिया सोनी को

स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बनें विद्यार्थी: डॉ. नवीन नैन

- विद्यार्थियों को कौशल विकास, रोजगार, स्टार्टअप के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► पानीपत

युवा उद्यमी व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. नवीन नैन भालसी ने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ना होगा। वही, किसी आईडिया को व्यवसाय में बदलने के लिए केवल पूंजी ही नहीं, बल्कि सही कौशल, मार्गदर्शन, नेटवर्क और लगातार सीखने की जरूरत होती है। डॉ नैन, हरियाणा युवा उद्यमी यात्रा के तहत पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पाइट) में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित



पानीपत। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए युवा उद्यमी डॉ. नवीन नैन भालसी।

कर रहे थे। डॉ. नैन ने विद्यार्थियों को कौशल विकास, रोजगार, माइक्रो एंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप के अवसरों के बारे में जानकारी दी और युवाओं को स्किल डेवलपमेंट, रोजगार, उद्यमिता, स्टार्टअप, मार्गदर्शन और उपलब्ध अवसरों से

जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को केवल नौकरी तलाशने की मानसिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए। युवाओं को स्वरोजगार कर आत्मनिर्भर बनते हुए देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ बदलते रोजगार बाजार में उद्योगों की जरूरत के अनुसार स्वयं में कौशल विकसित करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे शिक्षित होने के साथ साथ अपनी रुचि व क्षमता के अनुसार स्किल की पहचान करें और उसका ज्ञान लें। कार्यक्रम में डॉ नैन ने विद्यार्थियों को विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों जैसे ड्रोन टेक्नोलॉजी, एआई, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों को लेकर चर्चा की।

अस्वास्थ्यकर जीवन शैली से बढ़ रहे दिल के रोगी: डॉ. भुक्कर

समालखा। इन्द्रप्रस्थ हॉस्पिटल, पानीपत में वर्ल्ड हार्ट डे पर प्रेस वार्ता का आयोजन कर नागरिकों को दिल का रोग होने व इससे बचाव के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, अस्पताल के निदेशक डॉ. हरिओम गुप्ता ने इन्द्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के दूरदर्शी विजन की विस्तार से जानकारी दी। इधर, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आखिद हुसैन ने बताया कि भारत में दिल के रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डॉ. रविंद्र भुक्कर ने बताया कि नानावर्ण जीवनशैली, अत्यधिक मानसिक तनाव, काम का दबाव और एंगजाइटी, अस्वास्थ्यकर खान-पान जंक फूड, अत्यधिक तैलीय और प्रोसेस्ड भोजन का सेवन, तथा नमक और चीनी की अधिकता, शारीरिक सक्रियता की कमी, लंबे समय तक एक जगह बैठकर काम करना और व्यायाम न करना। धूम्रपान व मदिरापान लाइफस्टाइल जनित बीमारियां, कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापे के कारण दिल के रोग बढ़ रहा है।



न्यूज़ डायरी

छात्रों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया

पानीपत। पानीपत पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाया जा रहा जागरूकता अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुलिस की नशा मुक्त अभियान की टीम ने शनिवार को लाल बत्ती चौक स्थित गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल में विद्यार्थियों तथा स्विचिल अस्पताल परिसर में आम को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। वहीं, नशा मुक्त अभियान की टीम ने इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को बताया कि युवा शक्ति देश और समाज की ताकत है। इस ताकत को नशे में नहीं, शिक्षा, खेल और हुनर में लगाया जाना चाहिए।

पुलिस टीम ने चोर पकड़ा, दो बाइक बरामद

पानीपत। एटी टीकल थेट पुलिस टीम ने बाइक चोरी करने वाले चोर शमीम निवासी गांव रसलपुर जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। थानेदार राकेश ने बताया कि पुलिस ने शमीम को निशानदेही पर चोरी की गई दो बाइक बरामद की हैं। आरोपी से बरामद हुई बाइक चोरी की कार्रवाई बारे थाना पुराना औद्योगिक में गंगाराम कॉलोनी निवासी विपिन व थाना किला में राजीव कॉलोनी निवासी साजिद को शिकायतों पर केस दर्ज है।

हत्या का आरोपी पकड़ा

पानीपत। सीआईए वन पुलिस ने फैक्टरी से घर लौट रहे कर्मचारी अनिल पुत्र रामफल निवासी गांव कारद जिला पानीपत की लाठी डंडों से पीट-पीटकर हत्या के मामले में एक साल से फरार चल रहे नौवें आरोपी विशाल निवासी गांव ज्वाहरा जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया है। थानेदार वीरेंद्र ने बताया कि अनिल की हत्या के आरोप में मृतक के पिता रामफल की शिकायत पर थाना इसराना में केस दर्ज है।

शेखर की हत्यारोपी महिलाएं पकड़ी

पानीपत। पानीपत के गांव कवि गांव में हलवाई शेखर पुत्र सतबीर की पीटकर हत्या करने मामले में थाना मतलौडा पुलिस ने आरोपी विनोद, शकुंतला व पूजा को गिरफ्तार किया गया है। थानेदार राकेश ने बताया कि शेखर हत्याकांड में अनिल, राजबीर उर्फ काला, जितेंद्र उर्फ बिंदू, सूरज उर्फ कालू व अजय उर्फ छोटे को पहले की जेल भेजा जा चुका है। वहीं, शेखर की हत्या के मामले में उसके भाई नीटू की शिकायत पर केस दर्ज है।

उपायुक्त ग्रहण करेंगे पुरस्कार

पानीपत। पानीपत सहकारी चीनी मिल ने तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में देशभर में अपनी पहचान कायम करते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ की ओर से वर्ष 2025-26 के दक्षता पुरस्कारों की घोषणा की गई है, जिसमें पानीपत सहकारी चीनी मिल को अन्य रिकवरी क्षेत्र में तकनीकी दक्षता के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मिल ने 94.61 प्रतिशत क्षमता उपयोग के समग्र प्रदर्शन के साथ यह उपलब्धि हासिल की है। यह पुरस्कार 22 सितंबर को नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। पानीपत की ओर से उपायुक्त डॉ. हरिश वशिष्ठ यह पुरस्कार ग्रहण करेंगे।

आर्य कॉलेज में युवा संवाद

पानीपत। आर्य कॉलेज में आज युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा भाजपा की अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने शिरकत की। विशेष अतिथि के तौर पर पानीपत की मेयर कमल सैनी और पानीपत जिला परिषद की अध्यक्ष ज्योति शर्मा उपस्थित रहीं। कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता और प्रबंधक समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंगला ने मुख्य वक्ता तथा अतिथियों का पुष्पागुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इधर, मुख्य वक्ता डॉ. अर्चना गुप्ता ने युवाओं से संवाद करते हुए भविष्य का निर्माण, रिश्तों को संभालना व सोशल मीडिया पर विस्तार से चर्चा की। वहीं, प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने कहा कि युवा संवाद जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों, कर्तव्यबोध और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रभावी मंच है।

एड्स व टीबी के विरुद्ध जागरूक किया

पानीपत। स्वास्थ्य विभाग की ओर से हुडा औद्योगिक सेक्टर-25 स्थित राज ओवरसीज में कार्यक्रम का आयोजन कर श्रमिकों एवं कर्मचारियों को एचआईवी/एड्स और क्षय रोग (टीबी) के विरुद्ध जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक और लोक मीडिया के माध्यम से एचआईवी/एड्स एवं टीबी के लक्षण, बचाव, जांच, उपचार और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी सरल एवं प्रभावी तरीके से दी गई। नोएल अधिकारी (टीबी-एचआईवी) जिला नियंत्रण अधिकारी ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी/एड्स एवं टीबी के प्रति जागरूकता ही बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर जांच कराने में देरी नहीं करनी चाहिए। सही समय पर जांच और उपचार से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं से बचाव किया जा सकता है।



स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ मरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन मरी नींद की कमी अकसर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन ‘लोकल सर्कलस’ का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे



थका हुआ महसूस करते हैं। इस ‘स्लीप डेब्ट’ को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कुर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, ‘आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।’

कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- ▶ इसमें व्यक्ति को सुबह बिना आलार्म के जागना होता है।
- ▶ बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- ▶ अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- ▶ बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर थू ही घूमने निकल जाना।
- ▶ इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- ▶ स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- ▶ मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- ▶ शरीर आराम महसूस करने लगता है।



गजल

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद लथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं त्रियायारे के घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है ढल जाता है हर सांघे में लोह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग' परवानों की भीड़ लगेगी शम्भा जल जाने के बाद

लंगर / धर्मेन्द्र जोशी

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह 'कार्य प्रगति पर है!' के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड़बड़ पिछली बारिश में नन्हें-नन्हें अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, 'पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।' वृद्ध मुस्कुरा देते, 'सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।' एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, 'आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।' 'आज पहली बार खाना अकेले खाया।' 'डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?' 'आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी टंडी हो गई।' सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, 'अब उसे बुलाना मता वह बहुत व्यस्त होगा।' पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता को हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की सफा-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के



यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पताओं में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है। कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पट्टिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी,

कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तर्किए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर



पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेंटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेंटिंग की बात है तो रेंटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेंटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन खरीदारी में एक सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिफ्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।

किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्ट्राइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल काट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और जाते-जाते के जरिए को और मजबूत किया जा सके।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री को दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते



बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं। 'मी लॉर्ड! मुझे 'चाय दीजिए' कविता में वह कहती है, 'मैंने कल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।' 'सुनो नादिया' जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैमवास और भी विस्तारित

हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्वक आधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं।

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली



गणपति बप्पा का भव्य विसर्जन आस्था-सामूहिकता का उत्सव

पर्व-संस्कृति
धीरेज बसाक

विघ्न विनाशक गणपति की विदाई का दृश्य अपने आपमें भारतीय संस्कृति का एक अनूठा दृश्य होता है। सिर पर पगड़ी बांधे बुजुर्ग, जयघोष करते युवा और रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी महिलाएं, कंधों पर गणपति की प्रतिमा उठाए भक्तगण और ढोल की थाप पर थिरकते अलग-अलग उम्र के लोग-सब एक ही स्वर में पुकारते हैं, ‘गणपति बप्पा मोरया!’ कुछ घंटे पहले तक जो प्रतिमा किसी घर, गली या मुहल्ले के एक मंडप की केंद्र बिंदु थी, विसर्जन के समय वह हजारों लोगों की साझी आस्था और भावनाओं का केंद्र बन जाती है। यही गणेश विसर्जन की सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता है। यही भव्य दृश्य आगामी (25 सितंबर) अनंत चतुर्दशी को फिर देखने को मिलेगा।

सामूहिकता-साझेदारी का उत्सव

गणेशोत्सव की खूबसूरती केवल प्रतिमा की स्थापना और पूजा में नहीं बल्कि उसके आस-पास निर्मित होने वाली सामुदायिक दुनिया में भी है। मुहल्ले में मंडप लगाना, मिलकर सजावट करना, सामूहिक रूप से प्रसाद तैयार करना और फिर मिलकर आरती में शामिल होना, वास्तव में गणेश स्थापना से लेकर गणेश विसर्जन तक एक लंबा सांस्कृतिक उल्लास लोगों के बीच छाया रहता है। यह उल्लास विसर्जन के समय चरम पर पहुंचकर भावुक विदाई में बदल जाता है। अगर गणेश विसर्जन को ध्यान से देखें तो लगता ही नहीं कि यह किसी मूर्ति का विसर्जन है। ऐसे लगता है जैसे अपने किसी अत्यंत प्रिय से हम बिछड़ रहे हों। गणेश-प्रतिमा विसर्जन के समय सामूहिकता का सौंदर्य देखने लायक होता है। कोई प्रतिमा उठता है, कोई रास्ता साफ करता है, कोई पानी बांटता है, कोई ढोल बजाता है, कोई फूल बरसाता है, कोई पीछे चल रहे बच्चों का ध्यान रखता है, यह समूचा उल्लास सामूहिकता और साझेदारी का उत्सव होता है।



मिट जाते हैं सभी भेदभाव

गणेश विसर्जन भारतीय समाज की उस पुरानी परंपरा को जीवित करता है, जिसमें उत्सव केवल देखने की चीज नहीं है, मिलकर जीने का आयोजन होता है। सामान्य दिनों में भले भारतीय समाज की सामाजिक संरचना में जाति, वर्ग, पेशा और आर्थिक स्थिति की अनेक दूरियां दिखाई पड़ती हों, लेकिन गणपति पूजा में यह कहीं नहीं दिखती।

किसी हाथ में आरती की थाली होती है, तो कोई रस्सी पकड़कर प्रतिमा के साथ चल रहा होता है, कोई ढोल बजा रहा

होता है और कोई नृत्य कर रहा होता है। यहां व्यक्ति की सामाजिक पहचान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी साझी भागीदारी बन जाती है। यही वजह है कि गणेशोत्सव सिर्फ पूजा का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक मेल-जोल का सार्वजनिक उत्सव होता है।

पीढ़ियों को जोड़ता उत्सव

गणेश विसर्जन सांस्कृतिक उत्सव कई पीढ़ियों को एक साथ जोड़ देता है। बुजुर्गों के पास परंपरा की स्मृतियां होती हैं, युवाओं के पास ऊर्जा और आयोजन की जिम्मेदारी संभालने का भाव होता है। बच्चे पूरे उत्सव में उत्सुकता और विस्मय के साथ भागीदार रहते हैं। एक बुजुर्ग जब बच्चे को समझाता है कि गणपति की स्थापना क्यों की जाती है और विसर्जन का अर्थ क्या है, तो यह सिर्फ एक धार्मिक जानकारी नहीं होती। यह उस

विशेष: अनंत चतुर्दशी, 25 सितंबर

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर सैकड़ों ढोल की थाप, सामूहिक जयघोष और भक्तों की नम आंखों के बीच गणपति बप्पा की विदाई केवल एक प्रतिमा का विसर्जन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और अपनत्व का उत्सव भी होता है। हजारों हाथ जब बप्पा को विदा करते हैं, तो हर कदम में परंपरा, साझेदारी और अगले बरस लौटने की उन्मीद साथ चलती है।

सांस्कृतिक स्मृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का जरिया होती है, जो ऐसी ही परंपराओं से मिलती है। इस तरह हर साल होने वाला विसर्जन परंपरा की पुनरावृत्ति के साथ-साथ उसके हस्तांतरण का भी अवसर बन जाती है।

विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास

गणपति विसर्जन का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जब भक्त गणपति की प्रतिमा को विदा करते हैं, लेकिन इस विदाई में स्थाई वियोग का भाव नहीं होता। क्योंकि विदाई के दौरान जो जयकारा लगता है, उसमें विदाई के साथ-साथ वापसी का निवेदन कहीं ज्यादा मुखर होता है, ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ।’ यह जयघोष भारतीय संस्कृति के एक गहरे जीवनदर्शन को व्यक्त करता है। यहां विदाई के साथ पुनर्मिलन का विश्वास मौजूद होता है। इसलिए विसर्जन का दुःख अगले आगमन की प्रतीक्षा के एहसास में कम हो जाता है। मिट्टी की प्रतिमा का पानी में विलीन होना भी इसी भाव को विस्तार देता है, जिस मिट्टी से आकृति बनी, वह फिर प्रकृति में लौट जाती है। प्रतीकात्मक रूप में यह प्रक्रिया यह बताती है कि रूप बदलता है, लेकिन संबंध और स्मृति बने रहते हैं।

गढ़ते हैं जीवंत लोक-संस्कृति

गणेश विसर्जन केवल धार्मिक जुलूस नहीं होता। ढोल-ताशे, लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्य और सामूहिक जयघोष यह सब मिलकर एक जीवंत लोक-संस्कृति गढ़ते हैं। महाराष्ट्र में विशेषकर ढोल, ताशा तथा विसर्जन यात्रा का हिस्सा होते हैं। उनकी यह सामूहिक लय केवल संगीत नहीं पैदा करती बल्कि साथ चल रही भीड़ को भी एक रिश्ता, एक साझी ताल देती है। हजारों कदम जब एक ही ताल पर उठते हैं और एक ही ताल पर जमीन में गिरते हैं, तो व्यक्ति भीड़ का एक हिस्सा भर नहीं रहता बल्कि सामूहिक अनुभव का सहभागी बन जाता है। गणेश विसर्जन में यही सांस्कृतिक अनुभव हर कोई महसूस करता है।

साझी भावनाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन

गणेश प्रतिमा भले किसी एक परिवार ने स्थापित की हो या किसी सार्वजनिक मंडल ने, पर उसकी विदाई सामूहिक होती है। विसर्जन यात्रा जहां-जहां से गुजरती है, वहां-वहां के लोग इसका हिस्सा हो जाते हैं, फिर भले चाहे वो कुछ कदम चलकर इससे अलग हो जाएं। विसर्जन जुलूस जहां से गुजरता है, वह अजनबी भीड़ के रूप में नहीं गुजरता बल्कि हर जगह मौजूद लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। इसलिए विसर्जन वास्तव में प्रतिमा को महज पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया नहीं है, यह साझी आस्था, साझी जिम्मेदारी और साझी भावनाओं का सामूहिक और सांस्कृतिक प्रदर्शन है। *

डिजिटल इंपैक्ट
डी. जे. नंदन

एक समय था, जब बॉलीवुड सितारों की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारें उसके पोस्टर से पट जाती थीं। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रीलस, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखाई देता है। बदल गई स्टारडम की परिभाषा: बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, सिर्फ उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर उसकी फैन फॉलोइंग मानी जाती है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने वाले बज से किसी भी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों को सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। फैन आर्मी में बदला फैन क्लब: 1990 और 2000 के दशक में फिल्म स्टार्स के फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, अपने पसंदीदा एक्टर का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थिएटर के बाहर जहां उनके फेवरेट एक्टर की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के एक्टर के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं। पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है।

इनसे प्रूफ होता है सोशल मीडिया इंपैक्ट

‘अल्फा’ का टीजर और डिजिटल ट्रैफिक: कुछ समय पहले आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म ‘अल्फा’ का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई। कई बड़े सितारों ने सार्वजनिक रूप से इसकी सरहना की, जिससे फिल्म को अत्यधिक डिजिटल बढत मिल गई। यू-ट्यूब फैनफेस्ट: वरुण धवन ने यू-ट्यूब फैनफेस्ट में अपनी फिल्म के गीत का लाइव प्रचार किया है।यह दिखाता है कि डिजिटल आयोजनों का महत्व अब पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा हो गया है। वायरल वीडियो का इंपैक्ट: 2026 के गणतंत्र



दिवस रिवरसल में सेनिकों का एक बॉलीवुड गीत पर गांव करते हुए वीडियो वायरल हुआ और पुराने हिट गीत को एक झटके में नई पीढ़ी तक पहुंचा दिया गया। इस तरह सोशल मीडिया पुराने कंटेंट को भी लोकप्रिय बनाने में देर नहीं लगाना। इंपलूएंसर मार्केटिंग: फिल्म निर्माता, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब इंप्लूएंसर्स के साथ साझेदारी कर रहे हैं ताकि पारंपरिक विज्ञापनों से आगे सीधे युवाओं तक पहुंच सकें। हालिया बॉलीवुड अध्ययनों के अनुसार यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम और कुछ एप्स अब दबकें को फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।

किसी समय तक फिल्मों का प्रचार और एक्टर्स का स्टारडम कई पारंपरिक तरीकों पर निर्भर होता था। आज सोशल मीडिया पर एक रील, एक वायरल डायलॉग या लाइव किसी स्टार की चमक रातों-रात आसमान तक पहुंचा सकते हैं। अब सोशल मीडिया फॉलोअर्स किसी एक्टर का स्टारडम तय करने में बड़ा रोल निभा रहे हैं।

सोशल मीडिया से बदल रहा बॉलीवुड स्टारडम का सीन



दर्शकों-फैंस से सीधे जुड़ रहे कलाकार: वास्तव में सोशल मीडिया ने कलाकारों को सीधे-सीधे दर्शकों से जोड़ दिया है। पहले सितारों और दर्शकों के बीच मीडिया की एक दीवार होती थी। अब फिल्म स्टार्स अपने फोन से सोशल मीडिया के जरिए सीधे करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं। प्रचार का बड़ा माध्यम बना सोशल मीडिया: दुनिया भर में सुपर फैन इकोनॉमी, एक बड़ा और कल्चरल इकोनॉमी का मॉडल बन चुका है। इसमें प्रशंसक किसी कलाकार के प्रचारक की भूमिका निभाते हैं। आज फिल्म के गानों की सफलता का एक पैमाना यह है कि उस पर कितनी रीलस बनी हैं। निर्माता अब ऐसे गीत और संवाद तैयार करवाते हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो सकें। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और

डिजिटल इंप्लूएंसर्स के सहयोग से फिल्म प्रचार का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। वास्तव में आज फिल्म के प्रचार का बड़ा हिस्सा फिल्म के कंटेंट, उसकी बनावट-बुनावट से कहीं ज्यादा उसका एंजोरिश्म हो चुका है। कौन-सा वीडियो कितने लोगों तक पहुंचेगा, कौन-सा गाना वायरल होगा, कौन-सा संवाद बनेगा, इन सबका निर्णय अब काफी हद तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में होने लगा है। यही वजह है कि निर्माता अब सबसे पहले अपने फिल्म के प्रचार-प्रसार और अच्छे व्यवसाय के लिए मजबूत डिजिटल टीम का गठन करते हैं। डिजिटल इंपैक्ट रखता है मायने: यह सच है कि आज भी केवल सोशल मीडिया के जरिए कोई फिल्म हिट नहीं हो सकती है। लेकिन यह बात भी सही है कि सोशल मीडिया की चर्चा के बिना आजकल अच्छी से अच्छी फिल्मों भी चर्चा से वंचित रह सकती है। आज अखबारों, टीवी चैनलों और किसी जमाने में शहर में घूम-घूमकर लाउडस्पीकर के जरिए फिल्म का प्रचार करने वाला तौर-तरीका सब खत्म हो चुका है और अगर है भी तो वो प्रभावी नहीं रहा। आज एक वायरल रील, मीम या हैशटैग से फिल्म का जबर्दस्त प्रचार हो सकता है और हो रहा है। इस पूरे सिनेरियो को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले वर्षों में किसी बॉलीवुड एक्टर का स्टारडम पूरी तरह इस बात से तय होगा कि उस अभिनेता के फालोअर्स कितने हैं? उसकी डिजिटल एंगेजमेंट क्या है? और उसकी फैन कम्युनिटी और ऑनलाइन प्रभाव कितने महत्वपूर्ण हैं? *